

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के साथ समझौता

उपग्रहों और प्रक्षेपण यानों के लिए उन्नत प्रणोदन प्रणाली विकसित करने पर जोर



मनस्तु स्पेस स्वदेशी हरित प्रणोदन तकनीक विकसित कर रही है, जिसमें हाइड्रोजन परॉक्साइड आधारित प्रणोदक का उपयोग किया जाता है। इसमें विशेष योजक पदार्थों के साथ एकीकृत इंजन और उत्प्रेरक प्रणाली शामिल हैं। इसका उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन, कम लागत और पारंपरिक

प्रणोदकों से जुड़ी परिचालन संबंधी चुनौतियों को कम करना है। इस प्रणाली की विशेषता इसकी विस्तार योग्य संरचना है। इसे छोटे उपग्रहों से लेकर अधिक क्षमता वाले प्रणोदन तंत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। परियोजना में

प्रणोदन इंजन, प्रणोदक आपूर्ति प्रणाली और अत्यधिक तापमान सहने वाले सिरैमिक उत्प्रेरक का विकास भी शामिल है, ताकि कठिन परिस्थितियों में विश्वसनीय संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

इस प्रणोदन प्रणाली का अंतरिक्ष में प्रदर्शन पहले ही किया जा चुका है। अब परियोजना के अंतर्गत अभियांत्रिकी विकास, विभिन्न प्रणालियों का एकीकरण, परीक्षण और सत्यापन किया जाएगा। इससे तकनीक की विश्वसनीयता और उपयोग की तैयारी बेहतर होगी तथा उपग्रहों और प्रक्षेपण यानों में इसके व्यापक उपयोग का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड के सचिव राजेश कुमार पाठक ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करने में स्वदेशी प्रणोदन तकनीक की महत्वपूर्ण भूमिका है।

हर महीने पांच हजार रुपये जमा कर बनाएँ आठ लाख रुपये का कोष

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: निमित्त बचत के जरिए भविष्य के लिए धन जुटाने की योजना बना रहे लोगों के लिए डाकघर की आवर्ती जमा योजना एक विकल्प है। इस योजना में निवेशक हर महीने निश्चित राशि जमा करके समय के साथ बचत का बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं। इसमें जमा रकम पर निर्धारित दर से ब्याज मिलता है, जिससे निवेश की अवधि पूरी होने पर मूलधन के साथ ब्याज की राशि भी प्राप्त होती है। इस योजना के तहत यदि कोई निवेशक हर महीने पांच हजार रुपये जमा करता है, तो पांच साल में उसकी कुल जमा राशि तीन लाख रुपये हो जाती है। योजना की निर्धारित ब्याज दर और नियमों के अनुसार, इस राशि पर ब्याज भी जुड़ता है। हालांकि, आठ लाख रुपये का कोष बनाने और 2.54 लाख रुपये ब्याज अर्जित करने के लिए निवेशकों की अनुसूचत तथ्या लागू ब्याज दर की पुष्टि करना आवश्यक है। डाकघर की आवर्ती जमा योजना उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है, जो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने के बजाय नियमित रूप से बचत करना चाहते हैं। वेतन पाने वाले कर्मचारी, छोटे कारोबारी और सीमित आय वाले परिवार अपनी मासिक आय की अनुसार इसमें निवेश की योजना बना सकते हैं। इस योजना में निवेश करने से पहले इसकी वर्तमान ब्याज दर, जमा अवधि और परिपक्वता संबंधी नियमों की जानकारी लेना जरूरी है। ब्याज दर में बदलाव होने या निवेश की अवधि अलग होने पर अंतिम मिलने वाली राशि भी बदल सकती है। निवेशकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि निर्धारित किस्त समय पर जमा करना आवश्यक है। किस्त जमा करने में देरी होने पर लागू नियमों के अनुसार शुल्क या अन्य प्रभाव पड़ सकते हैं। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी आय और नियमित खर्चों को ध्यान में रखकर मासिक जमा राशि तय करना उचित है।

खास-खबरें

महंगा आईफोन डुओ टिकाऊपन की परीक्षा में पिछड़ा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: करीब तीन लाख रुपये कीमत वाला आईफोन डुओ टिकाऊपन की परीक्षा में विफल हो गया। प्रसिद्ध तकनीकी सामग्री निर्माता जेरीरिंगएवरीथिंग ने इस उपकरण का मजबूती परीक्षण किया, जिसमें इसके मुड़ने वाले जोड़ में धूल फंसने और पदों पर हरी रेखा दिखाई देने जैसी समस्याएं सामने आईं।

परीक्षण के दौरान उपकरण के जोड़ की कार्यक्षमता पर विशेष ध्यान दिया गया। इसमें पाया गया कि धूल के संपर्क में आने के बाद मुड़ने वाले हिस्से में परेशानी उत्पन्न हुई। इस तरह की समस्या उन उपकरणों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, जिनकी बनावट में कई चलने वाले हिस्से शामिल होते हैं।

परीक्षण में पदों पर हरी रेखा दिखाई देने की समस्या भी सामने आई। पदों पर इस प्रकार की रेखा दिखाई देना उसकी कार्यक्षमता से जुड़ी चिंता पैदा कर सकता है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में इस खराबी के वास्तविक कारण और लंबे समय तक उपकरण पर पड़ने वाले प्रभाव का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। मुड़ने वाले उपकरणों में जोड़ की मजबूती और धूल से सुरक्षा महत्वपूर्ण होती है। ऐसे उपकरणों को सामान्य उपयोग के दौरान बार-बार खोलने और बंद करने के साथ अलग-अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। यदि धूल जोड़ के भीतर पहुंच जाए, तो उसके संचालन पर असर पड़ सकता है।

करीब तीन लाख रुपये कीमत वाले इस उपकरण से उपयोगकर्ताओं को बेहतर निर्माण गुणवत्ता और विश्वसनीयता की अपेक्षा रहती है। ऐसे में परीक्षण के दौरान सामने आई समस्याएं इसकी टिकाऊपन क्षमता को लेकर सवाल खड़े करती हैं। जेरीरिंगएवरीथिंग अपने तकनीकी परीक्षणों के माध्यम से विभिन्न उपकरणों की बनावट, पदों और अन्य हिस्सों की मजबूती का आकलन करता है। हालांकि, किसी एक परीक्षण में सामने आए परिणामों के आधार पर सभी उपकरणों में समान समस्या होने का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता।

पिकथॉन डे के चौथे संस्करण में महिलाएं और परिवार एक साथ आए

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: पिकथॉन डे के चौथे संस्करण में गुरुग्राम में बड़ी संख्या लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल में महिलाएं और परिवार एक साथ आए। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकट एन. चलसानी ने कहा कि पिकथॉन डे के जरिए हम महिलाओं को अपने वित्तीय प्रबंधन में सक्रिय भूमिका को निभाने और अपना वित्तीय भविष्य सुरक्षित करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। चलसानी ने बताया कि सोच-समझकर लिए गए वित्तीय निर्णय और अनुशासित निवेश महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं और आत्मविश्वास के साथ दीर्घकालिक लक्ष्य हासिल करने में मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय समावेशन का अर्थ केवल वित्तीय उत्पादों तक पहुंच होना नहीं है, बल्कि महिलाओं को सही वित्तीय निर्णय लेने के लिए आवश्यक ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसर उपलब्ध कराना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पिकथॉन के संस्थापक मिलिंद सोमन ने कहा कि पिकथॉन डे का हर संस्करण स्थानीय समुदायों को एक साझा उद्देश्य के लिए होता है। विभिन्न शहरों में हुई भागीदारी हमारे एम्बेसडर, स्वयंसेवकों और धावक समूहों के प्रयासों को दर्शाती है। महिलाओं को फिटनेस की दिशा में पहला कदम उठाने के लिए प्रेरित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

सरकार राजकोषीय घाटा कम करने को प्रतिबद्ध: सीतारमण

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को यहां कहा कि सरकार राजकोषीय घाटा कम करने के लिए प्रतिबद्ध है, जैसा कि सालाना बजट में नजर आता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक राष्ट्रीय ऋण को जीडीपी के 50 फीसदी तक सीमित रखा जाएगा। सीतारमण ने तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में सीतालक्ष्मी रामस्वामी कालेज के प्लैटिनम जुबली समारोह के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार राजकोषीय घाटे को कम करने और वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय ऋण को लेकर जताई जा रही चिंताओं पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद से हर देश ऋण संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहा है। सीतारमण ने कहा, “हम वार्षिक बजट से जाहिर होने वाली अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप राजकोषीय घाटा घटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

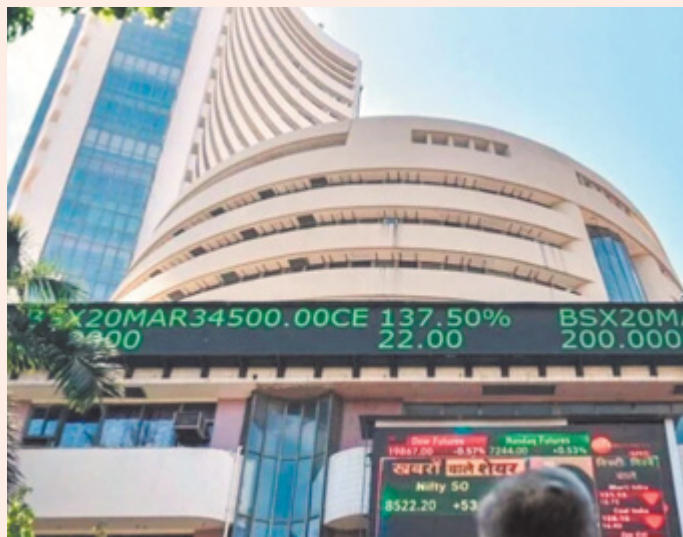
शेयर बाजार में लौटी तेजी, सेंसेक्स 483 अंक चढ़कर 73,607 पर बंद

निफ्टी में 153 अंकों की बढ़त, धातु, सूचना प्रौद्योगिकी और औषधि कंपनियों के शेयरों में रही खरीदारी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को तेजी रही। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 483 अंक चढ़कर 73,607 पर बंद हुआ। वहीं, राष्ट्रीय शेयर बाजार का निफ्टी 153 अंक की बढ़त के साथ 22,753 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में धातु, सूचना प्रौद्योगिकी और औषधि कंपनियों के शेयरों में अधिक खरीदारी देखने को मिली। प्रमुख सूचकांकों में बढ़त के साथ कारोबारियों का ध्यान विभिन्न क्षेत्रों के शेयरों पर रहा। इससे पहले शुक्रवार को बाजार में गिरावट दर्ज की गई थी।

जियो प्लेटफॉर्मस के शेयरों का आवंटन

जियो प्लेटफॉर्मस के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के तहत सोमवार, 26 अक्टूबर को शेयरों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू हुई। जिन निवेशकों को शेयर आवंटित नहीं होंगे, उन्हें 27 अक्टूबर से धनवापसी की जाएगी। सफल आवंटन वाले निवेशकों के खातों में भी 27 अक्टूबर को शेयर जमा किए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 अक्टूबर को बंबई शेयर बाजार और



एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख

सोमवार को एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 1.46 प्रतिशत गिरकर 5,469 पर पहुंच गया। जापान का निक्केई 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62,190 पर बंद हुआ। वहीं, हांगकॉंग का हेंगसंग 0.51 प्रतिशत बढ़कर 23,212 पर पहुंच गया। इससे पहले 23 अक्टूबर को अमेरिकी बाजारों में भी गिरावट रही थी। डाउ जोन्स 1.23 प्रतिशत, नैस्डैक 0.21 प्रतिशत और एसएंडपी 500 सूचकांक 0.52 प्रतिशत नीचे बंद हुए थे।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी

विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बीते सात दिनों में भारतीय शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 1,549 करोड़ रुपये निकाले। बीते 30 दिनों में उनकी शुद्ध बिकवाली 76,948 करोड़ रुपये रही। इसके विपरीत घरेलू संस्थागत निवेशकों ने बीते सात दिनों में 7,741 करोड़ रुपये और पिछले 30 दिनों में 82,524 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। इससे बाजार में घरेलू निवेशकों की सक्रियता का संकेत मिलता है।

राष्ट्रीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध होंगे निवेशक बंबई शेयर बाजार की वेबसाइट

पर जाकर आवंटन की स्थिति देख सकते हैं। इसके लिए उन्हें संबंधित निर्गम का

चयन कर आवेदन संख्या या स्थायी खाता संख्या दर्ज करनी होगी।

निर्यात संवर्धन मिशन के तहत राहत योजना का विस्तार

► माल ढुलाई और बीमा लागत में वृद्धि से प्रभावित निर्यातकों को सहायता देने के लिए बढ़ाई गई अवधि

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वाणिज्य विभाग ने निर्यात संवर्धन मिशन के तहत रिलीफ पहल के घटक-दो की समयसीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ा दी है। यह निर्णय पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक व्यवधानों और खाड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों में समुद्री परिवहन पर पड़ रहे प्रभाव को देखते हुए लिया गया है। इस व्रतिशत की अधिसूचना 30 सितंबर 2026 को जारी की गई थी।

रिलीफ पहल के दूसरे घटक का उद्देश्य निर्धारित क्षेत्रों में निर्यात करने वाले भारतीय निर्यातकों को भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम का बीमा संरक्षण लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। इसके अंतर्गत 95 प्रतिशत तक जोखिम संरक्षण उपलब्ध कराया जाता है। यह सुविधा 16 मार्च 2026 या उसके बाद ली गई एकल और समग्र कारोबार बीमा पॉलिसियों के लिए लागू है।

इस योजना के तहत पात्र निर्यातकों



को निर्धारित अवधि में बीमा प्रीमियम में होने वाली उस वृद्धि से सुरक्षा मिलती है, जो व्यवधान से पहले के स्तर से अधिक होती है। इसके अंतर्गत पूर्ण कंटेनर, आंशिक कंटेनर और प्रशंीत कंटेनर के माध्यम से भेजे जाने वाले माल को शामिल किया गया है। हालांकि, ऊर्जा निर्यात इस सुविधा के दायरे में नहीं आते।

योजना के तहत सहायता प्राप्त करने के इच्छुक निर्यातकों को भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम के ग्राहक

पोर्टल के माध्यम से दावा और संबंधित दस्तावेज जमा करने होंगे। पंजीकरण, उपयोगकर्ता पहचान बनाने और दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया समझने के लिए निगम के आधिकारिक दृश्य-श्रव्य माध्यम पर मार्गदर्शक सामग्री उपलब्ध कराई गई है।

रिलीफ पहल की शुरुआत 19 मार्च 2026 को हुई थी। इसका उद्देश्य उन भारतीय निर्यातकों को सहायता देना है, जो माल ढुलाई की लागत में अत्यधिक वृद्धि, बीमा प्रीमियम महंगा होने और खाड़ी तथा पश्चिम एशिया के समुद्री मार्गों में व्यवधान के कारण निर्यात संबंधी जोखिमों का सामना कर रहे हैं।

समयसीमा बढ़ाने से इन परिस्थितियों में प्रभावित निर्यातकों को निर्धारित शर्तों के तहत सहायता प्राप्त करने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। सरकार का उद्देश्य समुद्री परिवहन की अनिश्चितताओं के बीच निर्यात गतिविधियों को बनाए रखना और व्यापार प्रवाह को मजबूत करना है।

स्पेशल खबर

प्राचीन यूनानी महाकाव्य ‘ओडिसी’ पर आधारित वीडियो के दृश्य प्रभावशाली

मस्क के ग्रीक ने बनाई सात मिनट की एआई फिल्म

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: एलन मस्क के कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच ग्रीक ने फिल्म निर्माण के क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए सात मिनट की एक लघु फिल्म प्रस्तुत की है। प्राचीन यूनानी महाकाव्य ‘ओडिसी’ पर आधारित इस फिल्म को कंपनी की ‘ओडिसी’ श्रृंखला का पहला भाग बताया गया है। इसके दृश्य प्रभावशाली हैं, लेकिन संवादों और भावनात्मक प्रस्तुति को लेकर दर्शकों ने निराशा जताई है।यह फिल्म ग्रीक इमेजिन की सहायता से वंडर स्टूडियोज और निर्देशक देव वॉकर के सहयोग से तैयार की गई है। हालांकि, कंपनी ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि फिल्म की कहानी, दृश्य, आवाज और कैमरा संचालन किस तरह तैयार किए गए।

फिल्म में दिखाए गए युद्ध और समुद्री यात्रा के दृश्य

सात मिनट की इस फिल्म को



शुरुआत यूनानी योद्धा ओडिसियस से होती है, जो ट्रॉय के युद्ध में जाने की तैयारी करता है। उसकी पत्नी पेनेलोप उसे युद्ध के लिए रवाना होने को कहती है। इसके बाद यूनानी जहाजों को समुद्र की ओर जाते दिखाया गया है। उनका बेटा टेलीमाकस युद्ध का प्रशिक्षण लेता नजर आता है। फिल्म के कुछ दृश्यों में समुद्र, जहाजों और सैनिकों का चित्रण वास्तविक दृश्यांकन जैसा दिखाई देता है। हालांकि, पात्रों के संवाद और

कथावाचन को दर्शकों ने कमजोर बताया है। कुछ लोगों ने इसकी तुलना वीडियो खेलों के दृश्यों से की है।

हॉलीवुड की फिल्म से भी

जुड़ा विवाद

ग्रीक की इस प्रस्तुति की चर्चा हॉलीवुड निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की ‘द ओडिसी’ फिल्म के संदर्भ में भी हो रही है। नोलन को फिल्म बड़े बजट में

तैयार की गई थी और इसकी शूटिंग कई देशों में हुई थी। मस्क ने पहले नोलन की फिल्म में कलाकारों के चयन को लेकर आलोचना की थी। इसके बाद ग्रीक से तैयार फिल्म में पात्रों के रंग-रूप को लेकर भी चर्चा हुई है। नोलन ने फिल्म निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर आलोचनात्मक रुख अपनाया है।

संवाद और भावनाओं की कमी पर सवाल

दर्शकों के अनुसार, ग्रीक की फिल्म में दृश्य आकर्षक हैं, लेकिन पात्रों की भावनाएं और संवाद प्रभावी नहीं हैं। लंबे कथावाचन और नीरस प्रस्तुति के कारण दर्शक कहानी से जुड़ नहीं पा रहे हैं। मस्क ने पहले वर्ष के अंत तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता से पूरी लंबाई की हॉलीवुड निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की ‘द ओडिसी’ फिल्म के संदर्भ में भी हो रही है। नोलन को फिल्म बड़े बजट में

स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को बढ़ावा देगा ‘आभार संग्रह’

पूमपुहार शामिल हैं।

इस पहल में एक जिला, एक उत्पाद योजना और भौगोलिक संकेतक पहचान वाले उत्पादों को भी स्थान दिया गया है। इससे सरकारी खरीदारों को विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट उत्पाद आसानी से उपलब्ध हो सकेंगे। साथ ही कारीगरों, बुनकरों, ग्रामीण उद्यमियों और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को प्रोत्साहन मिलेगा।

सात अन्य सरकारी भंडार और संगठन भी इस मंच से जुड़ने की प्रक्रिया के अंतिम चरण में हैं। इसमें कांफ़ी बोर्ड, पश्चिम बंगाल के मंजूषा और बिस्वा बांग्ला, जम्मू-कश्मीर हथकरघा एवं हस्तशिल्प विपणन निगम, नागालैंड का मेराकाई, ओडिशा का उत्कलिका और मणिपुर का

पंथोइबी शामिल हैं।

संग्रह में हस्तशिल्प, हथकरघा, कारीगरों द्वारा तैयार खाद्य पदार्थ, रसोई के सामान और व्यक्तिगत देखभाल से जुड़ी वस्तुएं शामिल हैं। सरकारी बुजुर्गों का चयन समारोहों, सम्मेलनों, विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के स्वागत, कर्मचारियों के सम्मान, सेवानिवृत्ति कार्यक्रमों और त्योहारों के लिए कर सकते हैं। सरकारी ई-बाजार मंच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिहिर कुमार ने कहा कि यह पहल स्वदेशी कला और शिल्प को पहचान दिलाने तथा स्थानीय विक्रेताओं को अवसर प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। जुलाई 2024 में शुरू किए गए इस संग्रह का उद्देश्य स्थानीय उत्पादकों को सरकारी खरीद व्यवस्था से जोड़ना है।

एक हजार रुपये में खरीदें कमरे को गर्म करने वाला हीटर

► सर्दियों से पहले सुजाता के कमरे के तापक पर विशेष छूट

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सर्दी का मौसम नजदीक आने के साथ ही कमरों को गर्म रखने वाले उपकरणों की मांग बढ़ने लगी है। इसी बीच ऑनलाइन खरीदारी मंच अमेजन की विशेष बिक्री में सुजाता के कमरे को गर्म करने वाले यंत्र पर छूट की जानकारी सुविधाओं पर भी ध्यान देना जरूरी है। विशेष रूप से छोटे बच्चों और बुजुर्गों वाले घरों में सुरक्षित उपयोग महत्वपूर्ण है। कमरे को गर्म करने वाले उपकरण का इस्तेमाल करते समय उसे समतल जगह पर रखें और पदों, बिस्तर तथा अन्य ज्वलनशील वस्तुओं से दूर रखें। उपकरण को चालू छोड़कर सोने से बचना चाहिए और निर्माता के निर्देशों का पालन करना चाहिए। ऑनलाइन बिक्री में मिलने वाली छूट के कारण कम कीमत पर खरीदारी का अवसर मिल सकता है, लेकिन अंतिम कीमत और उत्पाद की सुविधाओं की पुष्टि करने के बाद ही खरीदारी करना उचित होगा।